

श्रीराम विवाह की दिव्यता से भावविभोर हुए श्रद्धालु, कैकेयी-मंथरा संवाद ने किया भावुक

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा ट्रांस यमुना कॉलोनी फेस-2 स्थित श्री रामलीला पार्क में आयोजित श्री रामलीला महोत्सव में बुधवार की शाम श्रीराम विवाह और कैकेयी-मंथरा संवाद का भावपूर्ण मंचन किया गया। कलाकारों ने अपनी सजीव प्रस्तुतियों से दर्शकों को रामायण के महत्वपूर्ण प्रसंगों से रूबरू कराया। प्रभु श्रीराम और माता सीता के विवाह प्रसंग ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया, वहीं कैकेयी-मंथरा संवाद ने रामकथा को एक नया मोड़ देते हुए दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़

दिया। *श्रीराम-सीता विवाह के दिव्य प्रसंग ने बांधा समा* श्रीराम विवाह के प्रसंग में प्रभु श्रीराम और माता सीता के विवाह की दिव्यता, मयार्दा और उल्लास का सुंदर चित्रण किया गया। मंचन के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल रहा। धार्मिक वातावरण के बीच प्रभु श्रीराम के जयकारों से रामलीला परिसर गुंज उठा। कलाकारों की प्रभावशाली अदाकारी और संवादों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। विवाह प्रसंग की प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को भक्ति और आस्था के रंग में सराबोर कर दिया। *कैकेयी-मंथरा संवाद ने दिखाई राजमोह की

■ प्रभु श्रीराम और माता सीता के विवाह प्रसंग ने रामलीला परिसर को बनाया भक्तिमय, कैकेयी-मंथरा संवाद के मंचन ने दर्शकों को सोचने पर किया विवश

■ आज रामलीला में होगा श्रीराम वनगमन, कैवट संवाद और राजा दशरथ के निधन का भावुक मंचन

परिणति* वहीं, कैकेयी-मंथरा संवाद ने अपने अभिनय के माध्यम से कैकेयी को उकसाने और उनके मन में राजमोह उत्पन्न करने के प्रसंग



को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। इस प्रसंग ने रामायण की कथा में आने वाले वनवास के घटनाक्रम की भूमिका को दर्शाया। कलाकारों ने अपने अभिनय के माध्यम से मानवीय भावनाओं, मोह और निर्णयों के दूरगामी परिणामों को

जीवंत किया। संवादों के भावपूर्ण चित्रण ने दर्शकों को सोचने पर विवश कर दिया कि किस प्रकार गलत सलाह और मोह जीवन की दिशा बदल सकते हैं। *भगवान श्रीराम के आदर्शों का संदेश दे रहा रामलीला महोत्सव* रामलीला

चार माह में नहीं हो पाया नलकूप निर्माण का काम

○ टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

पिनाहट कस्बा में नगर पंचायत द्वारा ठेकेदार से नलकूप निर्माण का काम कराया जा रहा है। जिसमें ग्रामीणों ने आरोप लगाया है। कि चार महीने से निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है। जिससे परेशानी हो रही है।

कस्बा के मुहल्ला मार स्थित गोपाल सागर कुआं के पास नगर पंचायत द्वारा ठेकेदार से यहां सरकारी नलकूप का निर्माण कराया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है। कि निर्माण कार्य करीब चार महीने से चल रहा है। फिर भी अधूरा पड़ा है। ठेकेदार द्वारा बड़ी धोमी गति और लापरवाही से काम किया जा रहा है। निर्माण की सामग्री बालू, गिट्टी आदि खरंजे पर विगत चाल महीने से पड़े हुए हैं। जिस कारण आवागमन मे बड़ी परेशानी तो हो ही रही है। साथ ही बालू नालियों में भरने से नालियां चौक हो चुकी है। और नालियों का पानी घरों में आगे भर रहा है। हर्ष कुमार कटारा ने बताया कि यदि हमारी समस्या की जल्द



- निर्माण सामग्री बीच रास्ते में पड़ी होने से आवागमन में हो रही परेशानी
- समाधान नहीं होने पर जिलाधिकारी और मुख्‍यमंत्री से करेंगे शिकायत

सुनवाई नहीं की गयी । तो जल्द ही जिलाधिकारी और मुख्यमंत्री से मामले की शिकायत की जाएगी। वहीं चैयरमेन प्रतिनिधि आजाद बाबू ने बताया कि फतेहाबाद के मोनू शर्मा ठेकेदार को ओनलाइन ठेका मिला है। जो बड़ी लापरवाही से काम कर रहे है। उनसे बात कर निर्माण कार्य जल्द पूरा कराया जायेगा।

गोवंश से टकराकर पलटा सवारियों से भरा ई-रिक्शा: हादसे में चालक समेत चार लोग घायल, दो की हालत गंभीर होने पर आगरा रेफर

○ टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

पिनाहट से सवारियां भरकर जा रहा एक ई-रिक्शा राजाखेड़ा रोड पर बीच का पुरा गांव के पास अचानक सामने आए गोवंश से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरे गड्ढे में जा गिरा। इस दर्दनाक हादसे में चालक समेत चार लोग घायल हो गए, जिनमें दो महिलाओं की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ई-रिक्शा पिनाहट से सवारियां लेकर राजाखेड़ा मार्ग की ओर जा रहा था। जैसे ही वाहन बीच का पुरा गांव के पास पहुंचा, अचानक गोवंश सामने आ गया जिससे बचाव के चक्कर में ई-रिक्शा उससे जा टकराया और पलट गया। हादसे के बाद मौके पर



चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को तुरंत

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पिनाहट पहुंचाया गया। हासे में कारकोली निवासी

डॉक्टर दंपति की लापरवाही से 5 माह की गर्भवती की मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप, सीएम पोर्टल पर शिकायत

○ टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

कस्बा फतेहाबाद निजी अस्पताल में इलाज के दौरान पाँच माह की गर्भवती महिला की मौत। मृतका के पति ने डॉक्टर दंपति पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए सीएम पोर्टल पर शिकायत की है। आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की माँग की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना फतेहाबाद क्षेत्र के ग्राम टडावली निवासी रामबरन पुत्र विक्रम सिंह ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर दर्ज शिकायत में बताया कि 11 अक्टूबर को अपनी पांच माह की गर्भवती पत्नी तुलसा देवी को पेट में दर्द होने पर फतेहाबाद के कृष्णा हॉस्पिटल ले गया था। वहाँ डॉक्टर द्वारा मरीज की जांच की गई। इसके बाद डॉक्टर और उसकी पत्नी ने यह कहकर डराया कि पेट में एक बड़ा खराब हो गया है

और तुरंत सफाई करनी होगी नहीं तो महिला की जान चली जाएगी। आरोप है कि सफाई के बाद डॉक्टर दंपति ने यह कहकर मरीज को घर भेज दिया कि बच्चेदानी में कुछ टुकड़े रह गए हैं जो दवा से निकल जाएंगे। घर पर महिला को लगातार दर्द और ब्लीडिंग होती रही। हालत बिगड़ने पर जब परिजन उसे दोबारा अस्पताल लाए, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इसके बावजूद डॉक्टर ने मरीज को आगरा ले जाने को कहा। पीड़ित पति का कहना है कि उसकी तीन छोटी-छोटी बेटियाँ हैं। पीड़ित ने अवैध गर्भपात का आरोप लगाते हुए कानूनी कार्रवाई की माँग की है। मुख्य चिकित्साधिकारी आगरा अरुण कुमार श्रीवास्तव से बात करने पर बताया कि सीएम पोर्टल पर शिकायत की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

महोत्सव का उद्देश्य धार्मिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखने के साथ-साथ भगवान श्रीराम के आदर्शों, मयार्दा और जीवन मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाना है। महोत्सव में प्रस्तुत किए जा रहे प्रसंग श्रद्धालुओं को धर्म, कर्तव्य और आदर्श जीवन की प्रेरणा दे रहे हैं। रामायण के विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से दर्शकों को पारिवारिक संबंधों, त्याग, मयार्दा और कर्तव्यपालन का महत्व समझने का अवसर मिल रहा है। *गणमान्यजनों और रामभक्तों की रही गरिमामयी उपस्थिति* कार्यक्रम में रामलीला महोत्सव

के पदाधिकारियों, कार्यकताओं, गणमान्य नागरिकों और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। सभी ने कलाकारों की प्रस्तुति की सराहना की और भक्तिमय वातावरण में रामलीला का आनंद लिया। कार्यक्रम में श्री रामलीला महोत्सव के *(संस्थापक श्री बालकिशन गुप्ता, प्रदीप शर्मा, कृष्णवीर सिंह सिकरवार एवं अध्यक्ष श्री गिरांज प्रसाद पाठक)* सहित डॉ. नौनीहाल कुशवाह, लक्ष्मीकांत उपाध्याय, पप्पू गहलोत, राकेश चौहान, हरचिलास यादव, ओमप्रकाश कुशवाह, वीरेंद्र चौधरी, शेर सिंह कुशवाह एवं देवेंद्र गुप्ता

की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर अनेक गणमान्यजन एवं रामभक्त उपस्थित रहे, जिनकी सहभागिता ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया। श्री बाल हनुमान आदर्श रामलीला मंडल के संचालक पं. दिनेश चंद्र शास्त्री महाराज एवं मंडली के कलाकारों ने रामायण के प्रसंगों को प्रभावशाली अभिनय और संवादों के माध्यम से मंच पर साकार किया। कलाकारों की प्रस्तुति ने दर्शकों को कथा से भावनात्मक रूप से जोड़े रखा और रामलीला महोत्सव के भक्तिमय वातावरण को और भी आकर्षक बना दिया।

डॉ. बबीता चौहान कल करेंगी महिला जनसुनवाई और विभागीय समीक्षा

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

जनपद में महिलाओं पर होने वाले उत्पीड़न की रोकथाम और पीड़ित महिलाओं को समयबद्ध एवं त्वरित न्याय दिलाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की माननीय अध्यक्ष डॉ. बबीता चौहान आगामी 30 अक्टूबर 2026 को आगरा के दौरे पर रहेंगी। इस दौरान वह नवीन सर्किट हाउस सभागार में स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में व्यापक महिला जनसुनवाई करेंगी तथा महिला कल्याण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की समीक्षा भी करेंगी।

जिला सूचना कार्यालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, माननीय अध्यक्ष डॉ. बबीता चौहान 30 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे से नवीन सर्किट हाउस सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक और जनसुनवाई की शुरूआत करेंगी। इस कार्यक्रम के तहत महिला कल्याण, बाल विकास व पुष्टाहार,



समाज कल्याण, स्वास्थ्य, बेसिक व माध्यमिक शिक्षा, पिछड़ा वर्ग कल्याण, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, अल्पसंख्यक कल्याण, राष्ट्रीय आजीविका मिशन, पंचायती राज, कौशल विकास, परिवहन तथा मातृ शिशु एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा संचालित महिलाओं से संबंधित तमाम योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की जाएगी। समीक्षा बैठक के अगले चरण में जनपद में महिला उत्पीड़न की

घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस आयुक्त या उनकी ओर से नामित वरिष्ठ अधिकारियों, महिला थानाध्यक्षों तथा संबंधित थानों के क्षेत्राधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी। इस दौरान पीड़ित महिलाओं से प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर सुनवाई करते हुए उनके त्वरित निस्तारण के कड़े निर्देश दिए जाएंगे ताकि हर जरूरतमंद महिला को समय पर न्याय सुलभ हो सके। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न विभागों के जिलास्तरीय अधिकारी भी अपने-अपने विभागों से जुड़ी सूचनाओं और योजनाओं के विवरण के साथ मौजूद रहेंगे, जिससे मौके पर ही मामलों का निस्तारण किया जा सके।

प्रशासन ने जनपद की सभी पीड़ित महिलाओं और बालिकाओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में नवीन सर्किट हाउस पहुंचकर इस जनसुनवाई का लाभ उठाएं।

आगरा में जुटेगा मंडल भर के कुक्कुट पालकों और उद्यमियों का जमघट

आगरा। उत्तर प्रदेश सरकार की 'कुक्कुट विकास नीति-2022' के तहत आगरा मंडल में पोल्ट्री व्यवसाय को नया आयाम देने और निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक दिवसीय 'मंडलीय पोल्ट्री कॉन्क्लेव' का भव्य आयोजन होने जा रहा है। पशुपालन विभाग आगरा द्वारा आयोजित यह कॉन्क्लेव आगामी 31 अक्टूबर 2026, शनिवार को प्रातः 10:00 बजे सायं 5:00 बजे तक विकास भवन सभागार, संजय प्लेस में मंडलायुक्त की अध्यक्षता में संपन्न होगा।

पशुपालन विभाग के अपर निदेशक (ग्रेड-2) डॉ. देवेन्द्र पाल सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कॉन्क्लेव का मुख्य उद्देश्य राज्य सरकार की कुक्कुट विकास योजनाओं की विस्तृत जानकारी देना, पोल्ट्री फार्मिंग के वैज्ञानिक व आधुनिक प्रबंधन के प्रति

- सरकारी अनुदान, आधुनिक तकनीक और निवेश पर विशेषज्ञों के साथ होगा सीधा संवाद

जागरूकता फैलाना और क्षेत्र के उद्यमियों व पशुपालकों से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का निस्तारण करना है। विभाग द्वारा आगरा मंडल के सभी छोटे-बड़े पोल्ट्री उद्यमियों, कुक्कुट फार्मर्स और इस व्यवसाय में उतरने के इच्छुक नए युवाओं का आह्वान किया गया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस कार्यक्रम में सहभागिता करें। इस मंच के माध्यम से पोल्ट्री व्यवसाय से जुड़े लोग सीधे विभागीय अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों से संवाद कर सरकारी अनुदान, आधुनिक तकनीकों और नौतिगत सुविधाओं का पूरा लाभ उठा सकेंगे।

दो मासूमों के दिल में छेद, बच्ची के सिर में ट्यूमर अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज में होगा निःशुल्क ऑपरेशन

- डेढ़ साल की बच्ची के सिर में ट्यूमर, दिल में भी छेद
- एक साल के मासूम के दिल में छेद, इलाज की तैयारी
- कटे होंट-तालू का राफ़ल ऑपरेशन, बच्ची को मिली राहत

○ टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम ने बुधवार को डौकी क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्र नगला विसे पर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। जिसमें परीक्षण के दौरान नगला विसे निवासी प्रशा उम्र डेढ़ वर्ष पुत्री रमाकांत के दिल का छेद और सर में ट्यूमर पाया गया। दूसरा बच्चा प्रकाश उम्र एक वर्ष पुत्र प्रहलाद के दिल में छेद पाया गया दोनों बच्चों के की टीम डॉक्टर महेंद्र सिंह यादव और डॉक्टर पवन कुमार का अहम योगदान रहा पूरी मेहनत और ईमानदारी निष्ठा के साथ क्षेत्र में बच्चों का स्क्रीनिंग किया जा रहा है जिसमें अधिक से अधिक बच्चे



और तालू कटा हुआ था जिसका बुधवार को ऑपरेशन कराया गया ऑपरेशन सफल रहा। आरबीएस के की टीम डॉक्टर महेंद्र सिंह यादव और डॉक्टर पवन कुमार का अहम योगदान रहा पूरी मेहनत और ईमानदारी निष्ठा के साथ क्षेत्र में बच्चों का स्क्रीनिंग किया जा रहा है जिसमें अधिक से अधिक बच्चे

लाभान्वित हो सके। कार्यक्रम डॉ.अभिषेक चौहान चिकित्सा अधीक्षक के दिशा निर्देशन में हुआ। वहीं राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम टीम के अधिकारी डॉ महेंद्र सिंह यादव ने बताया कि इन दोनों बच्चों का अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज में निःशुल्क ऑपरेशन कराया जाएगा।



बाढ़, भूकंप और आग जैसी आपदाओं से निपटने के बताए गए उपाय



आगरा। जिला प्रशासन एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को सुरसदन सभागार में 'आपदा जोखिम न्यूनीकरण' विषय पर एक दिवसीय बय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण शिविर में जनपद की महिला स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 300 महिलाओं, 100 आपदा मित्रों और 100 विभिन्न स्ट्रेट होल्डर्स सहित कुल 500 प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान मास्टर ट्रेनर एवं डिप्टी सीएमओ डॉ. सुरेन्द्र मोहन प्रजापति ने प्रतिभागियों को स्वास्थ्य सुरक्षा और आपदा के समय बर्ती जाने वाली जरूरी सावधानियों के बारे में विस्तार से जागरूक किया। वहीं, जिला मिशन प्रबंधक रवि शंकर ओदीय और आपदा विशेषज्ञ शिवम कुमार मिश्रा ने बाढ़, भूकंप, आग और वज्रपात (बिजली गिरना) जैसी प्राकृतिक व मानव-जनित आपदाओं के दौरान खुद को सुरक्षित रखने के व्यावहारिक तरीके सिखाए। कम्प्यूटिरी स्तर पर जागरूकता बढ़ाना मुख्य उद्देश्य विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि आपदा के समय घबराने की बजाय सुझबुझ और स्थानीय संसाधनों का सही इस्तेमाल करके खुद के साथ-साथ पूरे समुदाय को सुरक्षित बचाया जा सकता है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि आपदा प्रबंधन की इस पूरी प्रक्रिया में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और निर्णायक होती है। इस पूरे कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समुदाय स्तर पर आपदाओं के प्रति सजगता बढ़ाना और जोखिम को कम करना था।

सिर्फ सहभागिता नहीं, नवाचार से गढ़ें उत्कृष्ट नागरिक: राज्यपाल

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में दो दिवसीय 'नेशनल कॉन्क्लेव-2026' का भव्य समापन



टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के खंदारी परिसर स्थित स्वामी विवेकानंद परिसर के जयप्रकाश नारायण सभागार में आयोजित दो दिवसीय उत्तरी क्षेत्रीय 'नेशनल कॉन्क्लेव-2026' का गुरुवार को शानदार समापन हो गया। राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद, भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय और डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 27 और 28 अक्टूबर को चले इस सम्मेलन में शिक्षकों के व्यावसायिक विकास, मेंटरिंग व्यवस्था और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन पर व्यापक मंथन हुआ।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल: आत्ममूल्यांकन और मातृभाषा पर विशेष जोर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने शिक्षकों से सीधा आह्वान किया कि वे केवल कार्यक्रमों में सहभागिता तक सीमित न रहें, बल्कि आत्ममूल्यांकन कर अपनी कार्यशैली में सुधार लाएं। राज्यपाल ने जोर देकर कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि सशक्त, संस्कारवान, चरित्रवान और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार नागरिकों का निर्माण करना है। शिक्षकों को नवाचारयुक्त शिक्षण पद्धतियां अपनाकर विद्यार्थियों को उत्कृष्ट नागरिक बनाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आज भी व्यवहार में बच्चों को अंग्रेजी बोलने के लिए अधिक प्रेरित किया जाता है, जबकि शुरूआती वर्षों में मस्तिष्क के तीव्र विकास के लिए बच्चों को मातृभाषा में सीखने के अवसर मिलने चाहिए। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को देशाटन (भ्रमण) कराने की वकालत करते हुए कहा कि बच्चे जब विभिन्न स्थानों को देखकर और प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करते हैं, तो उनकी समझ अधिक व्यापक होती है। 'पुष्टि' और 'मित्र' से मजबूत होगा शिक्षक विकास का तंत्र सम्मेलन का मुख्य केंद्रबिन्दु एनईपी-2020 के तहत शिक्षकों के

व्यावसायिक सशक्तीकरण के लिए दृष्टिगत और दृष्टिगत को देशव्यापी स्तर पर लागू करना रहा। एनसीटीई के अध्यक्ष प्रो. पंकज अरोड़ा ने देश की विशाल शिक्षा व्यवस्था (लगभग 14.67 लाख स्कूल, 1.03 करोड़ शिक्षक और 25 करोड़ विद्यार्थी) का हवाला देते हुए गुणवत्ता सुधार के लिए प्रभावी मेंटरिंग तंत्र की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बताया कि 'पुष्टि' के जरिए राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षक मानकों और 'मित्र' के जरिए राष्ट्रीय मेंटरिंग मिशन को बढ़ावा दिया जा रहा है। उत्तरी क्षेत्र के 9 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को इन्हें स्थानीय भाषा और भौगोलिक परिस्थितियों के अनुकूल लागू करने की छूट दी गई है।



शिक्षा को संस्कारों से जोड़ें: उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय

उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने इस कॉन्क्लेव को 'लघु भारत' का स्वरूप बताया। उन्होंने कहा कि गुरु चाणक्य और चंद्रगुप्त का उदाहरण देते हुए हमें भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा को पुनर्जीवित करना होगा। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो विद्यार्थियों को विवेकशील और आत्मनिर्भर बनाए। उन्होंने दृष्टिगत और दृष्टिगत जैसी पहलों को 'विकसित भारत-2047' के लक्ष्य की दिशा में एक क्रांतिकारी

कदम बताया।

सीखी गई बातों को धरातल पर उतारें: कुलपति प्रो. आशु रानी

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. आशु रानी ने कहा कि यह सम्मेलन केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि सीखने और उसे व्यवहार में उतारने का अवसर है। उन्होंने कहा कि किसी भी पहल की सफलता इस बात से तय होती है कि उससे प्राप्त ज्ञान का लाभ अंतिम छोर पर बैठे विद्यार्थी तक कितना पहुंच रहा है। एक सक्षम शिक्षक ही

समर्थ भारत की नींव रख सकता है।

तकनीकी सत्र और डिजिटल पोर्टल का लाइव डेमो

दो दिवसीय इस कॉन्क्लेव के दौरान दृष्टिगत और दृष्टिगत के क्रियान्वयन पर कई तकनीकी सत्र हुए। एनसीटीई की टीम ने दोनों पहलों की कार्ययोजना समझाई और डिजिटल पोर्टल व मोबाइल ऐप का लाइव डेमो दिया। प्रतिभागियों को पोर्टल के उपयोग, मेंटरिंग प्रक्रिया और व्यावहारिक प्रशिक्षण का प्रत्यक्ष अनुभव कराया गया।

इस सम्मेलन में चंडीगढ़, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के शिक्षाविदों, एससीईआरटी, डायट, सीबीएसई और विभिन्न बोर्डों के नोडल अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। मंच का कुशल संचालन डॉ. प्रमोद कुमार और रिसर्च स्कॉलर मनीषा यादव ने किया। इस दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसरों में कुलाधिपति ने निरीक्षण कर व्यवस्थाएं भी परखीं।

8वें वेतन आयोग के गठन में देरी पर 30% अंतरिम राहत और पुरानी सीलिंग पर बोनस भुगतान का कड़ा विरोध

- प्रयागराज मुख्यालय पर महाप्रबंधक के माध्यम से प्रधानमंत्री और रेलवे बोर्ड अध्यक्ष को भेजा गया ज्ञापन
- चेतावनी सप्ताह के तहत गुंजी कर्मचारियों की आवाज

टीएनएफ टुडे, आगरा।

भारतीय रेलवे मजदूर संघ के आह्वान पर 22 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक मनाए जा रहे 'चेतावनी सप्ताह' के अंतिम दिन उत्तर मध्य रेलवे कर्मचारी संघ ने मुखर होकर केंद्र सरकार के सामने अपनी मांगें रखीं। संघ के जोनल अध्यक्ष हेमंत कुमार विश्वकर्मा के नेतृत्व में कर्मचारियों ने महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज के माध्यम से देश के प्रधानमंत्री और रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष का वित्तीय शोषण करना चाहती है। एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी को संबोधित एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। इस दौरान महाप्रबंधक कार्यालय तक जोरदार नारेबाजी करते हुए पहुंचे सैकड़ों रेलकर्मियों का ज्ञापन प्रमुख कार्यकारी अधिकारी सुदित चंद्र ने प्राप्त किया और इसे उच्च स्तर पर प्रेषित करने का आश्वासन दिया। संघ के महामंत्री कुंदन कुमार सिंह ने ज्ञापन के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आठवें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू करने में हो रही अनावश्यक देरी के



कारण देश के केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों पर गहरा आर्थिक दबाव पड़ रहा है। सातवें वेतन आयोग के दौरान भत्तों के नुकसान की कसक को याद दिलाते हुए कार्यकारी अध्यक्ष निर्भय कुमार सिंह ने चेतावनी दी कि सरकार इसी तरह देरी कर कर्मचारियों का वित्तीय शोषण करना चाहती है। इसे रोकने के लिए वटफर में मांग की है कि नई वेतन संरचना लागू होने तक कर्मचारियों के वर्तमान मूल वेतन और पेंशनभोगियों की मूल पेंशन तत्काल 30% अंतरिम राहत (का भुगतान किया जाए। साथ ही, परिवार की बुनियादी जरूरतों (माता-पिता को शामिल करते हुए 4 यूनिट मानकर) के आधार पर न्यूनतम वेतन 722,000 किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। मुख्यालय मंडल मंत्री प्रवीण नेवलकर ने हाल ही में दिए गए

उत्पादकता संबद्ध बोनस (डब्लू) पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सातवां वेतन आयोग चल रहा है और 8वें वेतन आयोग की मांग उठ रही है, इसके बावजूद कर्मचारियों को आज भी छठे वेतन आयोग के दौर की महज 27,000 की पुरानी सीलिंग के आधार पर बोनस दिया जा रहा है। '78 दिनों के बोनस' का ढिंढोरा पीटकर मात्र 217,951 थमाकर कर्मचारियों के साथ सीधा छलावा किया जा रहा है, जिसे संघ कड़ाई बर्दाश्त नहीं करेगा। संघ ने मांग की है कि बोनस की गणना न्यूनतम वेतन 218,000 की सीमा के आधार पर की जाए। जोनल संयुक्त मंत्री बीना सिंह ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि जो कार्य मुख्य मान्यता प्राप्त संगठनों का होना चाहिए, वे सुविधाएं

भोगकर संघर्ष भूल चुके हैं और कर्मचारियों के साथ समझौता कर रहे हैं। ऐसे में वटफर जैसी जुझारू संस्थाएं आगे आकर कर्मचारियों के हक की लड़ाई लड़ रही हैं। जोनल अध्यक्ष हेमंत कुमार विश्वकर्मा ने चेतावनी सप्ताह को मिले अपार समर्थन के लिए सभी मंडलों और डिपो के कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

प्रमुख रूप से उपस्थित पदाधिकारी व कार्यकर्ता

ज्ञापन सौंपने वाले मुख्य वक्ताओं और नेतृत्वकर्ताओं में भारतीय मजदूर संघ के जिलामंत्री रविकांत, जोनल कोषाध्यक्ष अजय सिंह, जोनल उपाध्यक्ष रुक्मानंद पाण्डेय, जोनल संयुक्त मंत्री बंशी बदन झा, मुख्यालय मंडल अध्यक्ष अजय सिंह, प्रयागराज मंडल अध्यक्ष सनी कुमार, प्रयागराज मंडल मंत्री आशीष मिश्रा, झांसी मंडल अध्यक्ष सतीश गुप्ता, झांसी मंडल मंत्री भानु प्रताप सिंह चंदेल, आगरा मंडल मंत्री उमाशंकर भारद्वाज, जिला मीडिया प्रभारी रामरतन सिंह, बीरबल ठाकुर, मोहित सिंह, धुवनंदन, रज्जन ओझा, दिलकेश मीणा, राजीव सिंह, अमरेंद्र तिवारी, अरविंद सोनी, नरसी मीणा, ध्रुव चौबे, संजीव साहू, आलोक कश्यप, योगेश मीणा, मनोज सहित सैकड़ों की संख्या में रेलवे कर्मचारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



आगरा में 1 नवंबर को लगेगा मेगा विधिक सेवा शिविर

आगरा। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार आगामी 1 नवंबर 2026 को दीवानी न्यायालय परिसर, आगरा में 'मेगा/वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर' का आयोजन किया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पूर्णकालिक सचिव पंकज कुमार-क ने बताया कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने और शिविर को सफल बनाने के लिए बड़े पैमाने पर तैयारियों की जा रही हैं। इसी क्रम में तैयारियों की समीक्षा और विभागीय कार्ययोजना के आकलन हेतु 29 अक्टूबर को पूर्वाह्न 10:30 बजे दीवानी न्यायालय परिसर स्थित नवीन सभागार कक्ष में एक समीक्षा बैठक बुलाई गई है, जिसमें संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे।

- यूनएम फाउंडेशन के सहयोग से 50 टीबी मरीजों को वितरित की गई पोषण पोटली
- टीबी मरीजों के सहयोग को आमजन से की गई अपील

टीएनएफ टुडे, आगरा।

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जनपद आगरा में टीबी/क्षय रोग से ग्रस्त और उपचारित टीबी मरीजों को पोषण एवं भावनात्मक सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से पोषण पोटली का वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर यूनएम फाउंडेशन (टॉरेंट ग्रुप) आगरा की तरफ से टीबी मरीजों को उपलब्ध कराई गई पोषण पोटली प्रदान कर उन्हें उपचार के दौरान पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने में सहयोग देने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों को टीबी उन्मूलन के अभियान से जोड़ना तथा टीबी मरीजों के प्रति सहयोग, संवेदनशीलता एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को और मजबूत करना है। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. सुखेश गुप्ता ने कहा कि टीबी का



उपचार पूर्ण रूप से संभव है। मरीजों को नियमित रूप से दवा लेने के साथ-साथ पौष्टिक आहार और परिवार एवं समाज के सहयोग की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि ह्यूटीबी के विरुद्ध लड़ाई केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रत्येक सक्षम व्यक्ति आगे आकर निःक्षय मित्र बनकर टीबी मरीजों को पोषण एवं मानसिक सहयोग प्रदान करें और टीबी मुक्त आगरा के संकल्प को मजबूत बनाएं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि जनपद में टीबी उन्मूलन के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा निरंतर व्यापक स्तर पर गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि टीबी मरीजों को समय पर जांच, निःशुल्क उपचार, नियमित दवा, पोषण एवं

आवश्यक परामर्श उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है। उन्होंने समाजसेवी संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों, जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों से अपील की कि वे निःक्षय मित्र बनकर टीबी मरीजों को गोद लेकर पोषण पोटली उपलब्ध कराकर उनके उपचार में सहयोगी बन सकते हैं। इस अवसर पर डॉ. शशि कांत राहुल उप जिला क्षय रोग अधिकारी द्वारा आमजन से अपील की गई है कि दो सप्ताह या उससे अधिक समय से खांसी, लगातार बुखार, वजन कम होना, रात में पसीना आना अथवा भूख कम लगने जैसे लक्षण होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच अवश्य कराएं। टीबी की पहचान एवं उपचार में देरी न करें और उपचार को चिकित्सकीय सलाह के अनुसार पूरा करें।

ब्राह्मण महासभा ने मनाया दीपोत्सव कार्यक्रम

टीएनएफ टुडे, आगरा।

अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में मंगलवार को कमला नगर स्थित होटल टैम्पेटेशन में दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महासभा की अध्यक्ष डॉ0 मधु भारद्वाज द्वारा श्री लक्ष्मी-गणेश पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। कार्यक्रम में विभिन्न परिधानों में सजी संस्था की महिलाओं ने डांडिया नृत्य प्रस्तुत किया। विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं एवं महिलाओं की मनोरंजक प्रस्तुति ने कार्यक्रम की शोभा में चार चांद लगा दिए। इस अवसर पर डॉ0 मधु भारद्वाज



ने कहा कि दीपोत्सव सिर्फ अपने लिए ही खुशियों ढूंढना नहीं, बल्कि एकजुट होकर सभी के जीवन को सुभाषित से जगमगाना है, इससे समाज में सौहार्द की भावना बढ़ती है। कार्यक्रम में आकांक्षा शर्मा, विजया तिवारी, ममता पचौरी,

नीलम शर्मा, दीपति भार्गव, वंदना तिवारी, सुनीता झा, कल्पना शर्मा, सांत्वना शर्मा, भावना शर्मा, रेखा मिश्रा, राजकुमारी पाराशर, उपलब्धि मिल गई है। बुधवार को केंद्रीय राज्यमंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल ने प्रस्तावित पीपा पुल के निर्माण स्थल पर पहुंचकर कार्य का स्थलीय

पोड़या घाट से पोड़या गाँव तक बनेगा पीपा पुल

केंद्रीय राज्यमंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल ने किया निर्माण कार्य का निरीक्षण, क्षेत्रवासियों को आवागमन में मिलेगी बड़ी राहत

टीएनएफ टुडे, आगरा।

दयालबाग स्थित पोड़या घाट से पोड़या गाँव के बीच लंबे समय से चली आ रही आवागमन की समस्या का जल्द स्थायी समाधान होने जा रहा है। केंद्रीय राज्यमंत्री व आगरा सांसद प्रो. एस.पी. सिंह बघेल तथा एमएदपुर विधायक डॉ. धर्मपाल सिंह के भागीरथ प्रयासों से इस मार्ग पर पीपा पुल के निर्माण को स्वीकृति मिल गई है। बुधवार को केंद्रीय राज्यमंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल ने प्रस्तावित पीपा पुल के निर्माण स्थल पर पहुंचकर कार्य का स्थलीय



निरीक्षण किया और तैयारियों का जायजा लिया। इस पीपा पुल के निर्माण से क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों और स्थानीय निवासियों को आवागमन में बहुत बड़ी राहत मिलेगी। अब तक पोड़या गाँव और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को लंबी दूरी तय करके शहर की ओर आना पड़ता था, जिससे स्थानीय व्यापार लेकिन इस पुल के बन जाने से न केवल लंबा

चक्कर काटने से मुक्ति मिलेगी, बल्कि समय और ईंधन दोनों की भारी बचत होगी। निरीक्षण के दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल ने कहा कि यह पहल क्षेत्रीय विकास को रफ्तार देने और आम जनता की बुनियादी समस्याओं को दूर करने की दिशा में एक अहम कदम है। इस पीपा पुल के शुरू होने से यमुना पार के गाँवों का संपर्क शहर से सीधे और सुगम हो जाएगा, जिससे स्थानीय व्यापार और आम जनजीवन दोनों को नई गति मिलेगी।

वृंदावन में 51.82 करोड़ रु. से बदलेगी सड़कों की सूरत

दो सड़क परियोजनाओं का भूमि पूजन, फुटपाथ से स्ट्रीट लाइट तक होगा विकास

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

नगर निगम मथुरा-वृंदावन द्वारा शहर के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने एवं सड़कों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाने की दिशा में निरंतर विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट योजना के फेज-3 के अंतर्गत रुक्मिणी विहार क्षेत्र में सड़क विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का भूमि पूजन नगर आयुक्त ओजस्वी राज एवं क्षेत्रीय पार्षद द्वारा विधिवत रूप से किया गया।

कार्य के अंतर्गत वृंदावन छटीकरा रोड से तेहरा मोड़ तक मार्ग के विकास एवं सौंदर्यीकरण का



कार्य कराया जाएगा। इस कार्य की अनुमानित लागत 224 करोड़ 74

लाख 39 हजार रुपये है। मार्ग की लंबाई 1.40 किलोमीटर। एवं

- छटीकरा रोड से तेहरा मोड़ तक सड़क का होगा काराकल्प
- पार्किंग, नाली, ड्रिवाइडर और लैंडस्केपिंग की मिलेगी सुविधा
- 270 किलोमीटर मार्गों के विकास पर खर्च होगा 51.82 करोड़ रु.

वृंदावन छटीकरा रोड से तेहरा मोड़ होते हुए रुक्मिणी विहार गोल चक्कर मार्ग का विकास एवं सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इस कार्य की अनुमानित लागत 227 करोड़ 7 लाख 92 हजार रुपये है। मार्ग की लंबाई 1.30 है।

उक्त दोनों विकास कार्यों की कुल अनुमानित लागत 251 करोड़ 82

लाख 31 हजार रुपये है। इन कार्यों के अंतर्गत सड़क एवं फुटपाथ का उन्नयन, नाली निर्माण, भूमिगत उपयोगिताओं का विकास, पार्किंग स्थल, ड्रिवाइडर, लैंडस्केपिंग एवं हॉर्टिकल्चर, स्ट्रीट लाइट तथा साइनेज संबंधी कार्य कराए जाएंगे। इन कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने, नागरिकों को सुगम आवागमन की सुविधा प्रदान करने तथा सड़क एवं आसपास के क्षेत्र को व्यवस्थित और सुंदर बनाने में मदद मिलेगी।नगर निगम मथुरा-वृंदावन शहर के समग्र विकास, बेहतर नागरिक सुविधाओं तथा आधुनिक शहरी आधारभूत संरचना के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।

392 गज की रजिस्ट्री, 492 गज पर निर्माण! जमीन विवाद में पुलिस की एंट्री

महिला की शिकायत पर निर्माण रुका, वायरल वीडियो के बाद जांच शुरू

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

गोवर्धन क्षेत्र के पाली गांव में जमीन पर बाउंड्री निर्माण को लेकर विवाद सामने आया है। मामले में पूर्व चेयरमैन पंडित खेमचंद शर्मा की ओर से 392 वर्ग गज जमीन की रजिस्ट्री होने की बात सामने आई है, जबकि मौके पर 492 वर्ग गज जमीन पर बाउंड्री निर्माण को लेकर विवाद बताया जा रहा है। इस मामले को लेकर एक महिला का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें जमीन पर निर्माण कार्य को लेकर आपत्ति जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, जमीन पर बाउंड्री निर्माण को लेकर विवाद की स्थिति बनने के बाद महिला ने पुलिस से शिकायत की। शिकायत मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और फिलहाल निर्माण कार्य रुकवा दिया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है, ताकि जमीन की

- रजिस्ट्री और मौके के क्षेत्रफल में अंतर पर उठे सवाल
 - बाउंड्री निर्माण को लेकर विवाद, महिला ने की शिकायत
 - पुलिस ने रुकवाया काम, जांच के बाद होगी कार्रवाई
- वास्तविक स्थिति और रजिस्ट्री से संबंधित तथ्यों की जानकारी जुटाई जा सके।
- वहीं, इस मामले को लेकर गोवर्धन क्षेत्र के समाजसेवी भूरा पहलवान भी सामने आए हैं। जमीन के क्षेत्रफल और बाउंड्री निर्माण को लेकर उठ रहे सवालों के बीच अब पुलिस की जांच पर सभी की निगाहें टिकी हैं। पुलिस का कहना है कि मामले में शांति व्यवस्था बनाए रखें और किसी भी पक्ष को कानून हाथ में नहीं लेने दिया जाएगा। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चीनी मिल पर किसानों का संग्राम, पुलिस ने रोका ट्रैक्टर मार्च

30 अक्टूबर को डीएम-एसपी करेंगे वार्ता



○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

छाता क्षेत्र के किसानों और विभिन्न किसान संगठनों ने अपनी लॉबित मांगों को लेकर मथुरा जिलाधिकारी को ज्ञापन देने के लिए भारी संख्या में ट्रैक्टरों के साथ कूच किया। पदम फौजी के नेतृत्व में दोपहर में निकाले गए छाता चीनी मिल से इस 'ट्रेक्टर मार्च' को पुलिस प्रशासन ने नरी-सेमरी के समीप भारी पुलिस बल के साथ रोक लिया।

किसान छाता शुगर मिल को पुनः चालू कराने, निर्दोष किसानों पर दर्ज की गई एफआईआर रद्द करने तथा जन्त किया गया सामान वापस लौटाने की प्रमुख मांग कर रहे थे। नरी-सेमरी पर ट्रैक्टर मार्च रोके जाने के बाद काफी देर तक प्रशासन और किसानों के बीच खींचतान व गहमागहमी बनी रही। किसान इस बात पर अड़े रहे कि वे केवल जिलाधिकारी को ही ज्ञापन सौंपेंगे। इस दौरान पदम फौजी ने प्रशासनिक अधिकारियों से कहा कि यदि प्रशासन किसानों की मांगों पर संतुष्ट कर देगा, तभी किसान छाता

- नरी-सेमरी में किसानों और प्रशासन के बीच तीखी बहस
- ट्रैक्टर मार्च रोकने पर गहमागहमी, एडीएम ने लिया ज्ञापन
- मार्गें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन तेज करने की चेतावनी

वापस लौटेंगे। प्रदर्शन के दौरान सपा नेता लोकमणि कांत जादौन, कुंवर नरेंद्र सिंह, ठाकुर किशोर सिंह,और करणी सेना के जिलाध्यक्ष भी प्रशासनिक अधिकारियों से वार्ता के दौरान तीखी बहस करते नजर आए। इस दौरान एक अद्धत नजारा सेमरी अंडरपास पर देखने को मिला किसानो और अधिकारियों के ऊपर पुष्प बरसात का नजारा भी देखा गया।

मौके पर स्थिति को संभालने के लिए एडीएम प्रशासन अमरेश सिंह, एसडीएम छाता अखिलेश कुमार, तहसीलदार छाता नितिन, एसपी सिटी राजीव कुमार, एसपी देहात आलोक रंजन, सीओ छाता, सीओ गोवर्धन तथा कोतवाली प्रभारी उमेश

चंद्र त्रिपाठी, एसएचओ कोसीकलां, शेरगढ़, बरसाना सहित भारी पुलिस बल तैनात रहा। सेमरी अंडरपास पर काफी देर की वार्ता के बाद एडीएम प्रशासन अमरेश सिंह ने किसानों से ज्ञापन प्राप्त किया और उन्हें शांत कराया। एडीएम ने बताया कि किसानों से बहुत ही सौहार्दपूर्ण वातावरण में बातचीत हुई है। उन्होंने कहा, "सड़क पर कोई निर्णय या फैसला नहीं हो सकता। इस तरह के मूवमेंट से आम जनता को असुविधा होती है, जो हमारे ही लोग हैं। किसानों ने भी समझदारी का परिचय दिया है। किसानों का ज्ञापन प्राप्त कर लिया गया है और परसों जिलाधिकारी तथा पुलिस कप्तान की अध्यक्षता में बैठक कर नियमानुसार आवश्यक निर्णय व कार्यवाही की जाएगी।"

प्रशासनिक आश्वासन के बाद किसानों का विरोध प्रदर्शन शांत हुआ, और वापस छाता चीनी मिल धरना आ गए।हालांकि किसानों ने स्पष्ट किया है कि यदि तय सीमा में निर्णय नहीं लिया गया तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे।

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

नगर आयुक्त द्वारा रिकॉर्ड विभाग के कार्यालय का निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान रिकॉर्ड विभाग के अभिलेखों एवं कार्यप्रणाली के अवलोकन में कई कमियां सामने आईं। स्टॉक रजिस्ट्ररों का उचित रखरखाव न होने, आपूर्ति एवं वितरण संबंधी अभिलेखों में कमियां, पत्रावलियों का व्यवस्थित संधारण न होने तथा लैपटॉप एवं अन्य सामग्री समय पर वितरण न होने पर नगर आयुक्त द्वारा रिकॉर्ड विभाग के लिपिक से स्पष्टीकरण मांगा गया।

नगर आयुक्त ने सभी अभिलेखों एवं रजिस्ट्ररों को व्यवस्थित रखने, लॉबित पत्रावलियों पर आवश्यक कार्यवाही करने तथा विभागीय कार्यों में जिम्मेदारी एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ



ही, टैक्स रिसीविंग बिल एवं कार्यालय में उपलब्ध उपकरणों के संबंध में भी स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने को कहा गया।

उक्त कमियों के दृष्टिगत अक्टूबर 2026 का वेतन बाधित करते हुए निर्देशित किया गया कि 04 नवंबर 2026 तक सभी निदेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। निर्धारित समयावधि में अनुपालन न

होने पर संबंधित कर्मचारी के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही की जाएगी । इसके पश्चात नगर आयुक्त द्वारा टैक्स विभाग के कार्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य कर निर्धारण अधिकारी एवं कर निर्धारण अधिकारी के कक्ष के समीप कंप्यूटर ऑपरेटर कार्य करते हुए पाए गए, जिस पर नगर आयुक्त ने कंप्यूटर ऑपरेटर को

अन्य कक्ष में शिफ्ट करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यालय का पीवीसी आदि से नवीनीकरण करकर व्यवस्थित एवं सुंदर बनाने, प्रत्येक कर्मचारी की टेबल पर कपड़ा बिछाने, नेम प्लेट लगाने तथा कार्य का विवरण अंकित करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी अलमारियों को एक पंक्ति में

- रिकॉर्ड विभाग के लिपिक का अक्टूबर का वेतन बाधित
- टैक्स विभाग के कंप्यूटर ऑपरेटर पर भी कार्रवाई
- लॉबित फाइलें, अव्यवस्था और गंदगी पर नगर आयुक्त नाराज

व्यवस्थित रखने एवं टेबल-कुर्सियों को सुव्यवस्थित ढंग से लगाने के लिए निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान शौचालय में गंदगी पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए समुचित साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि नामांतरण से संबंधित एक पत्रावली 15 अक्टूबर 2026 को प्राप्त हुई थी, जिसे निरीक्षण के दिन पोर्टल पर अपलोड किया गया। इस पर नगर आयुक्त नाराजगी व्यक्त करते हुए कि ने

निर्देश दिए कि कर निर्धारण एवं नामांतरण से संबंधित पत्रावली पर संबंधित के अनुमोदन के उपरांत 24 घंटे के अंदर पोर्टल पर अपलोड कर अपडेट किया जाए तथा संबंधित रजिस्ट्रर में भी प्रविष्टि दर्ज की जाए। नगर आयुक्त महोदय जी ने 2 नवंबर तक व्यवस्थाओं को सही करने की निर्देश दिए।

इसके अतिरिक्त, एक कंप्यूटर ऑपरेटर द्वारा अपने कार्य से संबंधित प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर नहीं दिए जाने पर नगर आयुक्त ने संबंधित ऑपरेटर का एक दिन का वेतन बाधित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी कर्मचारियों को अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करने तथा कार्यालय में स्वच्छता, सुव्यवस्था एवं कार्यों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

राधारानी की भक्ति में सराबोर ब्रज, उमड़ा प्रेम का सैलाब

मानबिहारी लाल की आरती कर हुआ भव्य स्वागत

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

ब्रज की रज, श्री राधारानी के नाम का संकीर्तन और संत रमेश बाबा महाराज के प्रति अगाध श्रद्धा। इन भावों से सराबोर श्री राधारानी ब्रजयात्रा बुधवार को अपने पांचवें दिन पिपासा वन और अंजन वन के दर्शन करते हुए संकेत पहुंची। यहां ब्रजवासियों ने पुष्पवर्षा, माल्यार्पण और दुपट्टा ओढ़ाकर यात्रियों का आत्मीय स्वागत किया। श्रद्धालुओं ने यात्रियों को भोजन भी कराया। स्वागत-सत्कार में उमड़ा प्रेम और भक्ति का भाव ऐसा था, मानो ब्रजवासियों को श्री राधारानी की सेवा का सौभाग्य मिल गया हो।

ब्रज के विरक्त संत पद्मश्री रमेश बाबा महाराज के सानिध्य और प्रेरणा से गांव-गांव में संचालित हरिनाम प्रभात फेरियों से जुड़े श्रद्धालुओं में ब्रजयात्रा के प्रति विशेष अनुराग देखने को मिल रहा है। यात्रा जिन गांव में पहुंचती है, वहां प्रभात फेरी से जुड़े भक्त हर्ष और भावविभोर होकर यात्रियों का



स्वागत करते हैं। संकेत में भी यही भक्तिभाव दिखाई दिया। यहां यात्रियों ने विह्वल कुंड, राधारमण जी मंदिर, श्री राधा-कृष्ण की विवाहस्थली, कृष्ण कुंड और संकेत बिहारी मंदिर के दर्शन किए। इसके बाद दोमिल वन में दर्शन किए, जिसे श्री राधा-माधव के प्रथम मिलन की लीला से जुड़ा पावन स्थल माना जाता है।

संकेत से आगे बढ़कर यात्रा ने

जैसे ही नंदगांव की सीमा में प्रवेश किया, वैसे ही नंदलाल की नगरी में उठा। ऐसा प्रतीत हो रहा था, मानो नंदलाल स्वयं अपने गांव में पधारे भक्तों को प्रेमपूर्वक अंक में भर रहे हों। संकेत में स्वागत करने वालों में जयप्रकाश त्यागी, प्रीतम प्रधान, शंकर कृष्ण, वदन, श्याम, परशुराम, निरतो पंडित, जयराम, धर्मवीर पार्षद और स्वामी चरण

वातावरण श्री राधे-श्री कृष्ण के जयघोष और भक्ति भाव से भर उठा। ऐसा प्रतीत हो रहा था, मानो नंदलाल स्वयं अपने गांव में पधारे भक्तों को प्रेमपूर्वक अंक में भर रहे हों। संकेत में स्वागत करने वालों में जयप्रकाश त्यागी, प्रीतम प्रधान, शंकर कृष्ण, वदन, श्याम, परशुराम, निरतो पंडित, जयराम, धर्मवीर पार्षद और स्वामी चरण

- संकेत में राधा-कृष्ण की विवाहस्थली के किए दर्शन
- पुष्पवर्षा और जयकारों से गूंज उठा नंदगांव
- छठवें दिन नंदगांव की परिक्रमा और बागविजोद का आयोजन

प्रमुख रहे। वहीं नंदगांव में हरिमोहन शास्त्री, रजत गोस्वामी, बंसी गोस्वामी, सुशील गोस्वामी, भरत गोस्वामी और राघव गोस्वामी सहित ब्रजवासियों ने यात्रा का स्वागत किया।

यात्रा प्रबंधन से जुड़े राधाकांत शास्त्री ने बताया कि गुरुवार को यात्रा के छठवें दिन नंदगांव की परिक्रमा के साथ यहां के प्रमुख लीला स्थलों के दर्शन किए जाएंगे। संव्याकाल में नंदगांव और बरसाना के गोस्वामी जनों की ओर से अनेकखे बागविजोद का आयोजन एक काव्य गोष्ठी के रूप में होगा, जोकि नंदगाँव बरसाना के अतिरिक्त कहीं अन्यत्र दिखाई नहीं देता।

राज्य महिला आयोग की अध्‍यक्षा ने किया कन्‍या जन्‍मोत्सव और समीक्षा बैठक का नेतृत्व

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा डॉ. बबोिता सिंह चौहान के जनपद मथुरा आगमन पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान उन्होंने राजीव भवन सभागार में कन्या जन्मोत्सव, गोदभरई, अन्नप्रासन, समीक्षा बैठक व जनसुनवाई में हिस्सा लिया, जबकि सायंकाल विकास खंड राया में शक्ति संवाद कार्यक्रम संपन्न हुआ। स्थानीय राजीव भवन सभागार में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में अध्यक्षा द्वारा गर्भवती महिलाओं की गोदभरई की गई और बच्चों को अन्नप्रासन कराया गया। इसके साथ ही, 10 नवजात बालिकाओं का केक काटकर

भव्य रूप से श्कन्या जन्मोत्सव मनाया गया और उन्हें बेबी किट्स वितरित की गईं। डॉ. बबोिता सिंह चौहान ने कन्या जन्म को समाज के लिए गौरव का विषय बताया और सभी से बालिकाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी राधावल्लभ, जिला विकास अधिकारी श्रीमंत गरिमा खरे, जिला कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र सिंह, एन.आर.एल.एम. के उपायुक्त इन्द्रपाल सिंह, जिला प्रोवेशन अधिकारी विकास चन्द्र सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और बड़ी संख्या में आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियां उपस्थित रहीं। मध्याह्न 12:20 बजे राजीव भवन सभागार में

ही विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें महिला सुरक्षा, कल्याण और सशक्तिकरण योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। इसके बाद आयोजित जनसुनवाई में महिलाओं की समस्याएं सुनी गईं, जहाँ कुल 09 शिकायतें (मुख्यतः पुलिस विभाग से जुड़ी) प्राप्त हुईं। अध्यक्षा ने संबंधित अधिकारियों को सभी शिकायतों का शत-प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण करने के कड़े निर्देश दिए। साथ ही, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए जनपद के सभी सरकारी, गैर-सरकारी कार्यालयों व निजी प्रतिष्ठानों में आंतरिक परिवाद समितियों का शत-प्रतिशत गठन करने और अनिवार्य रूप से

शिकायत पेटिका लगवाने पर जोर दिया। विकास खंड राया में शक्ति संवाद संपन्न कार्य 4 बजे विकास खंड राया में शक्ति संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें एन.आर.एल.एम. द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण पर चर्चा की गई। संवाद के दौरान लगभग 20 महिलाओं की समस्याओं और सुझावों की सुना गया। अध्यक्षा ने प्रदेश सरकार की विश्वकर्मा योजना और कोशल विकास योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि सरकार की मंशा प्रत्येक पात्र महिला तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।



बुवाई का समय व तरीक

जीरे की बुवाई मध्य नवम्बर के आसपास कर देनी चाहिये। बुवाई आमतौर पर छिटकवां विधि से की जाती है। तैयार खेत में पहले क्यारियां बनाते हैं। उनमें बीजों को एक साथ छिटक कर क्यारियों में लोहे की दंताली इस प्रकार फीरा देनी चाहिए कि बीज के ऊपर मिट्टी की एक हल्की सी परत चढ़ जाये। कतारों में बुवाई के लिए क्यारियों में 25-30 सेन्टीमीटर की दूरी पर लोहे या लकड़ी के बने हुक से लाईने बना देते हैं। बीजों को इन्हीं लाईनों में डालकर दंताली चला दी जाती है।

सिंचाई

पहली हल्की सिंचाई बुवाई के तुरन्त बाद की जाती है। इस सिंचाई के समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि क्यारियों में पानी का बहाव अधिक तेज न हो। दूसरी सिंचाई बुवाई के एक सप्ताह पूरा होने पर जब बीज फूलने लगे तब करें। इसके बाद मुदा की संरचना तथा मौसम के अनुसार 15-25 दिन के अन्तराल पर 5 सिंचाईयां पर्याप्त होगी। फव्वारा विधि द्वारा बुवाई समेत पांच सिंचाईयां बुवाई के समय, दस, बीस, पचपन एवं अस्सी दिनों की अवस्था पर करें। फव्वारा तीन घण्टे ही चलावें।

जीरे की फसल को शुष्क एवं साधारण ठंडे मौसम की आवश्यकता होती है। बीज पकने के समय शुष्क एवं साधारण गर्म मौसम जीरे की फसल के लिए अच्छा रहता है। अधिक वायुमण्डलीय नमी, रोग व कीड़ों को पनपाने में सहायक होती है तथा जीरे की फसल पाला सहन करने में असमर्थ होती है।

उपयुक्त किस्में- आर.जेड. 19, आर.जेड. 209, आर.जेड. 223, गुजरात जीरा -4 (जी.सी-4)

भूमि तथा भूमि की तैयारी जीवांश युक्त दोमट मिट्टी जिसमें जल निकास की उचित व्यवस्था हो जीरे की खेती के लिए उपयुक्त होती है। बुवाई से पूर्व यह आवश्यक है कि खेत की तैयारी ठीक तरह की जाये इसके लिये खेत को अच्छी तरह से जोत कर उसकी मिट्टी को भुरभुरी बना लिया जाए।

खाद एवं उर्वरक जीरे की अच्छी पैदावार लेने के लिये 10 टन प्रति हेक्टेयर के हिसाब से जुताई से पहले गोबर की अच्छी तरह से सड़ी हुई खाद खेत में बिखेर कर मिला देना चाहिये। एक औसत उर्वर भूमि में 30 किलो नत्रजन एवं 20 किलो फास्फोरस प्रति हेक्टेयर की दर से दें।

फास्फोरस की पूरी मात्रा बुवाई पूर्व आखिरी जुताई के समय भूमि में मिला देना चाहिये एवं नत्रजन की आधी मात्रा बुवाई के 30-35 दिन बाद एवं शेष 15 किलो नत्रजन बुवाई के 60 दिन बाद सिंचाई के साथ दे। बुवाई के समय 20 किलो प्रति हेक्टेयर गंधक खेत में डालें।

बीजदर व बीजोपचार जीरे का 12 किलोग्राम बीज एक हेक्टेयर क्षेत्र के लिए पर्याप्त है। बीज जनित रोगों से बचाव के लिए बुवाई से पूर्व जीरे के बीज को 2 ग्राम कार्बेण्डाजिम 50 डब्ल्यू.पी. प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित कर बोना चाहिए।

निराई- गुड़ई प्रथम निराई-गुड़ई बुवाई के 30-35 दिन बाद व दूसरी 55-60 दिन बाद करनी चाहिये।

कटाई- जीरे की फसल 120 दिन में पककर तैयार हो जाती है। फसल को दातली से काटकर अच्छी तरह सूखा लेवें।

उपज उपयुक्त उन्नत कृषि विधियां अपनाने से 6 से 10 क्विंटल प्रति हेक्टेयर जीरा की उपज प्राप्त की जा सकती है। भण्डारण भण्डारण करते समय दानों में नमी की मात्रा 8-9 प्रतिशत से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। संग्रहित जीरे को समय-समय पर धूप में रखें।

रबी फसलों के प्रमुख खरपतवार एवं उनका प्रबंधन



कृषि में खरपतवार आज की समस्या नहीं अपितु मनुष्य ने जब से कृषि कार्य प्रारम्भ किया तभी से यह उसके साथ है। प्रारम्भ में मनुष्य ने अपने चारों ओर उगे कुछ उपयोगी पौधों को चुना और उन्हें अपनी खाद्य समस्या हल करने के लिए उगाना शुरु किया। अनुभव के परिणाम स्वरुप उसने देखा कि बोई गई फसल के अतिरिक्त कुछ बिना बोये गये अनचाहे पौधे उग आते हैं जो फसल की वृद्धि रोक अधिकतम पैदावार लेने में बाधक होते हैं। इन्हीं अवांछित पौधों को जो बिना बोये ही फसलों के साथ उग आते हैं खरपतवार कहा जाता है। देश की तेज गति से बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए खाद्यान्न पूर्ति की समस्या का समाधान तभी सम्भव है जब जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न चुनौती को ध्यान में रखते हुए प्राप्त इकाई से अधिक से अधिक उत्पादन लिया जाए तथा उर्वरक, पानी आदी साधनों को समुचित ढंग से अपनाने के साथ साथ फसल को खरपतवार, कीट, रोग आदि से भी बचाया जाए। यदी किसान को अपनी फसल से भरपूर उपज प्राप्त करनी है तो अपनी फसल के प्रमुख शत्रु, खरपतवारों पर नियंत्रण कर उनको समय से नष्ट करना होगा। खरपतवारों की उपस्थिति फसल की उपज को लगभग 3। तक कम करती है।

खरपतवारों से हानियां

आमतौर पर विभिन्न फसलों की पैदावार में खरपतवारों द्वारा 5 से 85व तक की कमी प्रकोप एवं परिस्थितियों के आधार पर आंकी गयी हैं। कभी-झुकभी तो यह शत-प्रतिशत तक हो जाती है। खरपतवार फसलों के लिए भूमि में निहित पोषक तत्व एवं नमी का एक बड़ा हिस्सा शोषित कर लेते हैं तथा साथ ही साथ फसल को आवश्यक प्रकाश एवं स्थान से भी वंचित रखते हैं। फलस्वरुप पौधे की विकास गति धीमी व गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। यह भी देखा गया है कि जहां खरपतवारों का प्रकोप ज्यादा होता है वहां कीटों एवं बीमारियों का आक्रमण भी बढ़ जाता है। खरपतवारों द्वारा पोषक तत्वों का पलायन एवं पैदावार में कमी एवं हानि का विवरण क्रमशः में दिया गया है।

खरपतवारों की रोकथाम

प्रायः देखा गया है कि किसान फसल में कीड़े-मकोड़ों एवं रोग-बीमारियों की रोगथाम की ओर तुरन्त ध्यान देते हैं लेकिन खरपतवारों के प्रति उदासानी रहते हैं। यहां पर महत्वपूर्ण ध्यान देने योग्य बात यह है कि फसल को हमेशा न तो खरपतवार मुक्त रखा जा सकता है और न ही ऐसा करना आर्थिक द्रष्टि से लाभकारी है। अतः क्रांतिक (नाजुक) अवस्थामें विशेषकर खरपतवार नियंत्रण के तरीकों को अपनाकर पैदावार में कमी को रोका जा सकता है। साथ ही किसान इस बात का ध्यान विशेष रुप से रखें कि उखाड़े गए खरपतवार मेंढों पर न छोड़ें-उन्हें एक जगहगड्ढे में इकट्ठा करें अन्यथा उनके बीज गिरकर पुनः वर्षा आदि से खेतों में पहुंचकर हानि पहुंचाते हैं।

रबी फसलों के प्रमुख खरपतवार

किसी स्थान पर खरपतवारों की उपस्थिति वहां की जलवायु, भूमि, संरचना, भूमि में नमी की मात्रा, खेतों में बोई गई पिछली फसल आदि पर निर्भर करती है। इसलिए एक ही फसल में अलग- अलग स्थानों पर अलग-अलग प्रकार के खरपतवार पाये जाते हैं। विभिन्न रबी फसलों में उगने वाले प्रमुख खरपतवारों का विवरण दिया गया है।

रबी फसलों में खरपतवारों की रोकथाम

खरपतवारों की रोकथाम में ध्यान देने योग्य बात यह है कि खरपतवारों का नियंत्रण सही समय पर करें। खरपतवारों की रोकथाम निम्नलिखित तरीकों से की जा सकती है।
निवारण विधि- इस विधि में वे सभी क्रियार्ण शामिल हैं जिनके द्वारा खेतों में खरपतवारों के प्रवेश को रोका जा सकता है। जैसे-प्रमाणित बीजों का प्रयोग, अच्छी सड़ी गोबर एवं कम्पोस्ट खाद का प्रयोग, सिंचाई की नालियों की सफाई, खेत की तैयारी एवं बुवाई में प्रयोग किये जाने वाले यंत्रों की प्रयोग से पूर्व अच्छी तरह से सफाई इत्यादि।
सस्य विधि- गमी में खेत की गहरी जुताई, स्टेल् सीड बेड विधि, जोरो टिल सीड ट्रिल अथवा हैपी सीडर का प्रयोग, फसल चक्र विधि, अनंतवर्ती फसल विधि इत्यादि का

प्रयोग भी खरपतवारों को नियंत्रित करता है।
यांत्रिक विधि- खरपतवारों पर काबू पाने की यह एक सरल एवं प्रभावी विधि है। फसल की प्रारंभिक अवस्था में बुवाई के 15-45 दिन के मध्य फसलों को खरपतवारों से मुक्त रखना जरूरी है। सामान्यतः दो निराई-गुड़ई, पहली 20-25 व दूसरी 45 दिन बाद करने से खरपतवारों का नियंत्रण प्रभावी ढंग से होता है। इसके लिए परम्परागत कृषि यंत्रों के अतिरिक्त उन्नत नीदानाशक यंत्रों जैसे खींचकर अथवा ब्रकेलकर चलाये जानेवाले सस्ते हल्के एवं प्रभावी वीडरों का प्रयोग किया जा सकता है। इन यंत्रों का प्रयोग कतार में बोई गई फसलों में ही सम्भव है।



रासायनिक विधि

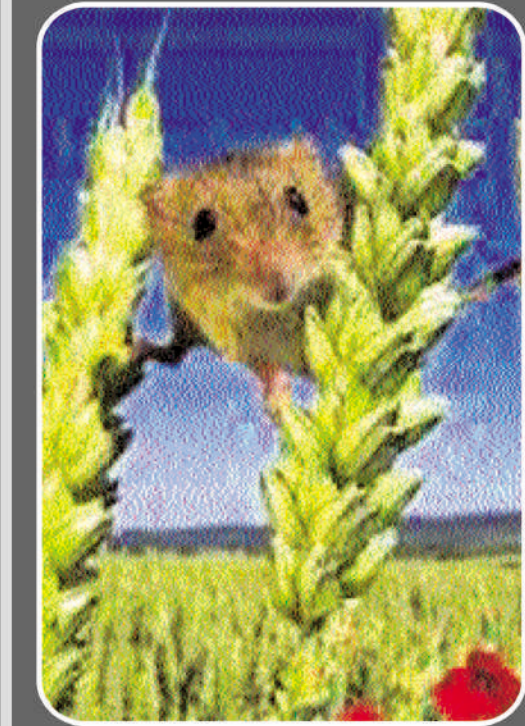
शाकनाशी रसायनों का प्रयोग- वर्तमान समय में मजदूरों की कमी की समस्या को देखते हुए खरपतवारों का नियंत्रण शाकनाशी रसायनों द्वारा करने से जहां एक ओर खरपतवारों का उचित समय पर नियंत्रण हो जाता है वहीं दूसरी ओर लागत एवं समय की भी बचत होती है लेकिन शाकनाशी नाशकों का उपयोग करते समय यह ध्यान रखना होगा कि उसकी उचित सांद्रता को उचित विधि द्वारा उपयुक्त समय पर प्रयोग करें ताकि इनसे समुचित लाभ प्राप्त हो सके अन्यथा लाभ के बजाय हानि भी हो सकती है। फसलों में उपयोग किये जाने वाले रसायनों का प्रयोग मुख्यतः तीन तरीकों से किया जा सकता है।

(अ) बोन से पहले भूमि में मिलाकर- इस प्रकार के शाकनाशी को फसल की बुवाई के पहले खेत में अंतिम तैयारी करते समय मिला देना चाहिए तथा यह ध्यान रखना चाहिए कि खेत में पर्याप्त नमी उपलब्ध हो, जैसेड्रपकुल्वोलिन्।

(ब) अंकुरण के पूर्व छिड़काव- इस तरह के शाकनाशी बुवाई के बाद किन्तु फसल व खरपतवार के

अंकुरण के पहले खेत में छिड़क दिये जाते हैं?। जहां तक हो सके इनका प्रयोग फसल बोन के 3 दिन के भीतर कर देना चाहिए, जैसेड्रुपेन्डीमेथालिन।

(स) अंकुरण के बाद छिड़काव- इस प्रकार के शाकनाशी रसायनों का प्रयोग बुवाई के 30-35 दिन बाद किया जाता है। जैसे 2,4-डी , क्लोडिनाफॉफ, फेनाक्साप्रांफ, सल्फोसल्फयूरॉन इत्यादि जिससे खरपतवार अंकुरण अवस्था में ही समाप्त हो जाते हैं अथवा बाद में नीदा रसायन के प्रभाव से पूर्णतया नष्ट हो जाते हैं। खरपतवारनाशी रसायनों का विस्तृत में दिया गया है।



चूहों को खेतों से दुर भगाने के उपाय

मई-जून के महीने में फसल कटाई के बाद खेतों में चूहों का प्रबंधन करना चाहिए, कृषि विज्ञान केन्द्र, अंबेडकर नगर के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. रवि प्रकाश मौर्या बता रहे हैं कैसे चूहों का प्रबंधन कर सकते हैं। ये कुछ उपाय अपना कर किसान अपनी उपज को सुरक्षित रख सकते हैं।

गेहूं की फसल को चूहों से सुरक्षित रखने के लिए करें ये उपाय

चूहों की संख्या मई-जून माह में कम होती है, यही समय चूहा नियंत्रण अभियान के लिए सही समय होता है, यह अभियान सामूहिक रूप में चलाना चाहिए। चूहे खेत खलिहानों, घरों और गोदामों में अनाज खाने के साथ-साथ ही अपने मलमूत्र से

अनाज बर्बाद कर देते हैं।

संसारों में चूहे की पांच सौ से भी अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं, एक जोड़ी चूहा एक वर्ष में 800-1000 की संख्या में बढ़ जाते हैं, इसके प्रबंधन के लिए कम से कम तीस-चालीस लोगों की जरूरत होती है। पहले दिन खेत का सर्वेक्षण किया जाता है, जहां बिल मिले उसे मिट्टी से बंद कर देना चाहिए।

दूसरे दिन जो भी बिल खुले हों, वहां पर चावल या फिर चना के दाना रख देना चाहिए, ऐसे दो-तीन दिनों तक दाना रखें और चौथे दिन जहर मिलाकर दाना रखें। दाने का विषाक्त बनाने के लिए सरसों के तेल, एक ग्राम जिंक फास्फाइड दानों में मिलाकर रख दें। पांचवे दिन सुबह मरे हुए चूहों को और बचे हुए दानों को इकट्ठा कर जमीन में गड्ढा खोदकर दबा दें।

ये भी उपाय अपना सकते हैं

चूहे को मीठ पसंद होता है। किसान खेतों में हो या घर पर, अनाज भण्डारण गृह में जलेबी का पाक जो आसानी से मिल जाता है, जलेबी के पाक में रुई की छेटी-छेटी गोली बना कर डूबा दें। जब वो गोलियां पूरी तरह से भीग जाएं तो चूहों के बिल के पास रख दें।

चूहा उसे आसानी से खा लेता है। वह रुई की गोली चूहे की आँतों में फंस जाती है। कुछ समय के बाद चूहे की मौत हो जाती है। प्याज की खुशबू चूहों से बर्दाश्त नहीं होती। इसलिए उन जगहों पर प्याज के टुकड़े डाल दें, जहां से चूहे आते हैं।लाल मिर्च खाने में प्रयोग होने वाली लाल मिर्च चूहों को भगाने के लिए काफी कारगर है। जहां से चूहें ज्यादा आते हैं, वहां पर लालमिर्च का पाउडर डाल दें। इसानों के बाल से भी चूहे भागते हैं। क्योंकि इसको निगलने से इनकी मौत हो जाती है इसलिए इसके नजदीक आने से ये काफी डरते हैं।

आईसीसी रैंकिंग: अभिषेक फिर पहुंचे शीर्ष पर, टेस्ट ऑलराउंडर में जडेजा की बादशाहत खत्म

○ **एजेंसी, दुबई।**

आईसीसी की ताजा पुरुष खिलाड़ी रैंकिंग में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में फिर से नंबर-एक बल्लेबाज का स्थान हासिल कर लिया है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर मार्को यानसेन ने एक साथ टेस्ट गेंदबाज और टेस्ट ऑलराउंडर की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर इतिहास रच दिया। यानसेन ने टेस्ट ऑलराउंडरों की सूची में भारत के रवींद्र जडेजा को पीछे छोड़ दिया, जो चार साल से अधिक समय से इस स्थान पर काबिज थे। ताजा रैंकिंग में टेस्ट बल्लेबाजों और गेंदबाजों के साथ वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की सूची में भी कई बदलाव हुए हैं।

अभिषेक शर्मा ने फिर हासिल किया नंबर-1 का ताज

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में तूफानी शतक लगाने का फायदा अभिषेक शर्मा को आईसीसी रैंकिंग में मिला है। भारतीय बाएं हाथ के बल्लेबाज ने ईशान किशन को पीछे छोड़कर टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष स्थान फिर से हासिल कर लिया।

वेलिंगटन में खेले गए मुकाबले में अभिषेक ने केवल 35 गेंदों में अपना शतक पूरा किया था। उन्होंने 38 गेंदों में 113 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसकी बदौलत भारत ने 199 रन का लक्ष्य 13.2 ओवर में चार विकेट खोकर हासिल कर लिया। भारत ने यह मुकाबला छह

विकेट से जीता और पांच मैचों की सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली।

ईशान किशन ने इस साल जुलाई में आयरलैंड के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन के बाद अभिषेक से नंबर-1 का स्थान हासिल किया था। अभिषेक पहली बार जुलाई 2025

मार्को यानसेन ने जडेजा से छीना नंबर-1 का स्थान

दक्षिण अफ्रीका के मार्को यानसेन के लिए ताजा रैंकिंग बेहद खास रही। उन्होंने पहली बार अपने करियर में टेस्ट गेंदबाज और टेस्ट ऑलराउंडर की रैंकिंग में नंबर-1 का स्थान हासिल किया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गकेबरहा में खेले गए दूसरे टेस्ट में यानसेन ने शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने बल्ले से 85 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में पांच विकेट लेकर मैच का रुख बदलने में अहम भूमिका निभाई। दक्षिण अफ्रीका ने यह मुकाबला बड़े अंतर से जीता। इस प्रदर्शन के बाद यानसेन टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में 13 स्थान ऊपर चढ़कर 56वें स्थान पर पहुंच गए। टेस्ट गेंदबाजों की सूची में उन्होंने पांच स्थान की छलांग लगाकर ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क को पीछे छोड़ा। वहीं, टेस्ट ऑलराउंडरों की रैंकिंग में एक स्थान ऊपर पहुंचकर उन्होंने रवींद्र जडेजा का लंबे समय से चला आ रहा शीर्ष स्थान छीन लिया। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज डेल स्टैन हाल ही में यानसेन को 'दुनिया का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर' बता चुके हैं।

तेम्बा बावुमा और साइमन हार्मर को भी फायदा

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने भी टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में चार स्थान की छलांग लगाई है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पहली पारी में 179 रन बनाने वाले बावुमा अब दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे आगे इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक हैं। टेस्ट गेंदबाजों की सूची में ऑस्ट्रेलिया के स्कॉट बोलेैंड तीन स्थान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गए। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर साइमन हार्मर टेस्ट ऑलराउंडरों की रैंकिंग में 15 स्थान की छलांग लगाकर आठवें स्थान पर आ गए।

टी20 और वनडे रैंकिंग में भी हुए बदलाव

टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की सूची में भारत के संजू सैमसन छह स्थान ऊपर चढ़कर 20वें स्थान पर पहुंच गए। न्यूजीलैंड के फिन एलन ने भी तीन स्थान की छलांग लगाकर 25वां स्थान हासिल किया। टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में न्यूजीलैंड के मिचेल सैंटनर सात स्थान ऊपर चढ़कर सातवें और भारत के अर्शदीप सिंह छह स्थान की छलांग लगाकर 15वें स्थान पर पहुंच गए। वनडे रैंकिंग में भी कई खिलाड़ियों को फायदा हुआ है। पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी दो स्थान ऊपर चढ़कर गेंदबाजों की सूची में छठे स्थान पर पहुंच गए। अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज अजमतुल्लाह उमरजई ने 13 स्थान की छलांग लगाकर सातवां स्थान हासिल किया, जबकि नामीबिया के बर्नार्ड शॉल्ट्ज नौ स्थान ऊपर चढ़कर आठवें स्थान पर पहुंच गए। वनडे ऑलराउंडरों की सूची में अफगानिस्तान के अनुभवी मोहम्मद नबी पांच स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए।

में टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे थे, जब को पीछे छोड़ा था।

प्रसिद्ध वनडे सीरीज से बाहर: न्यूजीलैंड के खिलाफ नहीं ले पाएंगे हिस्सा



○ **एजेंसी, नई दिल्ली।**

भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा न्यूजीलैंड के खिलाफ चार नवंबर से शुरू होने वाली आगामी पांच मैचों की वनडे सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे, क्योंकि वह अभी तक अपनी हैमस्ट्रिंग की चोट से पूरी तरह से उबर नहीं पाए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने यह जानकारी दी।

वनडे सीरीज का कार्यक्रम

टी20 सीरीज के बाद दोनों टीमों

टी20 के बाद वनडे में भारत का क्लीन स्वीप

वडोदरा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने तीसरे और आखिरी वनडे मुकाबले में जिम्बाब्वे को आठ विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। बुधवार को खेले गए मुकाबले में युवा स्पिनर वैष्णवी शर्मा ने पांच विकेट चटकाए, जबकि प्रतिका रावल ने नाबाद अर्धशतक लगाकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। जिम्बाब्वे की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 39.5 ओवर में 131 रन पर ऑलआउट हो गई। इसके जवाब में भारतीय टीम ने 17 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 133 रन बनाकर आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। भारत की युवा बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में 39 रन देकर पांच विकेट हासिल किए। यह उनका तीसरा वनडे मुकाबला था। इससे

पहले उन्होंने दूसरे वनडे में भी चार विकेट लिए थे। वैष्णवी की फिरकी के सामने जिम्बाब्वे के बल्लेबाज टिक नहीं सके। उन्होंने अपनी गेंदों की गति और प्लाइट से बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया। जिम्बाब्वे की ओर से मोडेस्टर मुपाफिकवा ने सर्वाधिक 37 रन बनाए। भारत की ओर से क्रांति गौड़ और सयाली सतपथे ने भी दो-दो विकेट हासिल किए। 132 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। यास्रिका भाटिया पहली ही गेंद पर आउट हो गई। हालांकि, प्रतिका रावल ने एक छर संभाले रखा और शानदार बल्लेबाजी करते हुए 56 गेंदों में नाबाद 59 रन बनाए। प्रतिका ने अपनी पारी के दौरान वनडे करियर का 10वां अर्धशतक पूरा किया।

कैटरीना कैफ: 'बाउंस बैक...कहां से?' अभिनेत्री ने ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब

सितंबर में अंबानी परिवार के गणेश चतुर्थी समारोह में शामिल होने के बाद कैटरीना को सोशल मीडिया पर अपने लुक को लेकर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। प्रेन्सी से बाद उनके शरीर में आए बदलावों को लेकर कई यूजर्स ने उन्हें ट्रोल किया। अब अभिनेत्री ने इस पूरे मामले पर अपनी बात रखी है।

मां बनने के बाद बाँड़ी शैमिंग पर क्या बोलीं कैटरीना?

हाल ही में वोग को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने मां बनने के अनुभव और निजी जिंदगी के बारे में बात की। मां बनने के एक साल से भी कम समय बाद उनके शरीर में आए बदलावों को लेकर काफी ट्रोलिंग हुई थी। साथ ही फिल्मों के कमबैक को लेकर भी लोगों ने सवाल खड़े किए थे। इस पर कैटरीना ने ट्रोलर्स से ही सवाल करते हुए कहा, 'बाउंस बैक...कहां से?' वहीं ट्रोलिंग को लेकर अभिनेत्री का कहना है कि वह लोगों की राय पर ध्यान देने के बजाय अपनी जिंदगी के इस खास दौर पर ध्यान देना चाहती हैं। कैटरीना ने कहा, 'हम ऐसी दुनिया में रहते हैं, जहां लोग बदलती हुई राय की हवाओं के साथ हमें झधर-उधर उड़ाना चाहते हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि सभी जानते हैं कि बच्चे को जन्म देने के बाद एक महिला के शरीर में कई शारीरिक बदलाव होते हैं। इसके बावजूद अगर लोग महिलाओं को लेकर कटोर टिप्पणियां करना चाहते हैं, तो यह उनकी अपनी पसंद है, न कि जानकारों की कमी। फिटनेस पर भी दिया बड़ा बयान कैटरीना का कहना है कि वह दूसरों की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए अपनी फिटनेस की यात्रा में जल्दबाजी नहीं करना चाहती। उनके लिए मां बनना जिंदगी में आगे बढ़ने का एक यात्रा पड़ाव है, न कि ऐसा दौर जिसे पीछे



फिल्मों में वापसी को लेकर क्या है कैटरीना का प्लान?

अभिनय के अलावा कैटरीना अपने ब्यूटी बॉड 'के ब्यूटी' से भी जुड़ी हुई हैं। फिलहाल अभिनेत्री की फिल्मों में वापसी की कोई जल्दबाजी नहीं है। वह इस समय परिवार के साथ ज्यादा वक्त बिताने, सोशल मीडिया से दूर रहने और अपने बेटे विहान के साथ समय का आनंद लेने पर ध्यान दे रही हैं। कैटरीना के लिए बेटे के साथ समय बिताना इतना खास है कि वह चाहती हैं कि विहान के सोने के समय वह उसके पास मौजूद रहें। हालांकि, जब वह दोबारा फिल्मों में काम शुरू करेंगी, तो उनकी कोशिश एक ऐसा किरदार निभाने की होगी, जो उनके अभिनय के एक नए पहलु को सामने लाए। अभिनेत्री के मन में एक खास तरह का किरदार है, और वह है विलेन का किरदार।



अभिनेत्री ईशा देओल 15 साल बाद एक्शन-क्राइम ड्रामा फिल्म 'प्रताप' से बॉलीवुड में वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री ने आईएनएस के साथ बातचीत में साउथ इंडियन एक्टरस के एक्सेंट को लेकर ट्रोल किए जाने पर प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री का कहना है कि उन्हें साउथ इंडियन एक्सेंट काफी 'प्यारा' और 'क्यूट' लगता है। ईशा ने कहा, रजब मैं अपने डायलॉग बोलती हूं, खासकर हिंदी में, तो मैं काफी हद तक अपनी मां जैसी लगती हूं, लेकिन असल में मैं वैसी ही हूं और जिन्होंने मुझे किसी खास किरदार के लिए लिया है, वो ये बात अच्छे से जानते हैं। तो मुझे लगता है कि साउथ इंडियन लोगों का हल्का-सा एक्सेंट सुनना बहुत प्यारा और क्यूट लगता है और मुझे बहुत अच्छा लगता है। अभिनेत्री ने आगे बताया कि बॉलीवुड में भी ऐसी कई दिग्गज अभिनेत्रियां हैं, जिनकी बोली में साउथ इंडियन एक्सेंट सुनने को मिलता है। उन्होंने कहा, "और भी कुछ लोगो जैसे श्री आर्टी, मेरी मम्मी और उर्मिला में भी साउथ इंडियन एक्सेंट सुनने को मिलता है। उर्मिला की तो मैं बहुत बड़ी फैन हूं

और उनकी बोली में जो हल्का-सा एक्सेंट आता है, वो मुझे पसंद है।" अभिनेत्री ने आगे कहा कि लोगों के बोलने के तरीके का मजाक उड़ाने के बजाय भाभाई और सांस्कृतिक विविधता की सराहना करना जरूरी है। दरअसल, साउथ इंडियन एक्सेंट को लेकर चर्चा तब तेज हो गई जब अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने करण जोहर के टॉक शो 'कांफी विद करण सीजन 9' में अपने साउथ इंडियन एक्सेंट को लेकर होने वाली ट्रोलिंग पर खुलकर बात की थी। इस एपिसोड में रश्मिका अपने पति और अभिनेता विजय देवरकोंडा के साथ नजर आई थीं। शो के दौरान रश्मिका ने कहा कि वे दक्षिण भारत से हैं, इसलिए उनके बोलने के लहजे में वहां की झलक होना बिल्कुल स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि इसमें परेशान होने वाली कोई बात नहीं है। रश्मिका ने यह भी बताया कि वे अपनी फिल्मों के लिए खुद अलग-अलग भाषाओं में डबिंग करने में गर्व महसूस करती हैं। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन ट्रोलिंग उन्हें अपना काम करने से नहीं रोक सकती।

ईशान को डेट कर रही थीं जान्हवी! जमकर की बाॅयफ्रेंड की तारीफ

करण जोहर का पॉपुलर चैट शो 'कांफी विद करण सीजन 9' काफी सुर्खियों में बना हुआ है। आज इसका तीसरा एपिसोड रिलीज हुआ, जिसमें बॉलीवुड के कलाकार वरुण धवन और एक्ट्रेस जान्हवी कपूर नजर आईं। इस दौरान जान्हवी ने अपने निजी जीवन पर खुलकर बात की।

क्या ईशान खट्टर को डेट कर रही थीं जान्हवी?

शो के होस्ट करण जोहर ने जब जान्हवी से पूछा कि क्या आप वाकई ईशान6 को डेट कर रही हैं? तो जान्हवी ने कहा, 'हां। लेकिन मुझे समझ नहीं आता कि लोग इतना क्यों जानना चाहते हैं। इसके बाद आगे करण ने कहा, 'पहले आप शिखर को डेट कर रही थीं। फिर आपने ईशान खट्टर को डेट किया। इसके बाद कोई और आया। लेकिन शिखर हमेशा आपके साथ खड़ा रहा।' जब करण ने ईशान का नाम लिया, तो जान्हवी ने करण से कहा कि हम कुछ ज्यादा ही इस टॉपिक में घुस रहे हैं।

जान्हवी के लिए शिखर ने लिया पढ़ाई से ब्रेक?

करण ने आगे शिखर पर बात करते हुए कहा, 'मुझे याद है जब आपकी मां गुजरी, तो वह आया था और मैंने आपका रिएक्शन देखा था। मैं तभी समझ गया था कि अभी भी कुछ बाकी है।'

इस बात को आगे बढ़ाते हुए जान्हवी ने बताया, 'उसने जैसे ही मां के बारे में सुना, वो पढ़ाई से ब्रेक लेकर सीधा मुंबई आ गया। एक महीने तक वह यहीं रहा, इसलिए कि मुझे कहीं भी उसकी जरूरत हो, तो वह वहां मौजूद रहे। उसका यही नेचर सबको पसंद आता है।

वरुण को देखकर क्यों जान्हवी ने तोड़ दिया था ग्लास?



शो में करण ने जान्हवी से पूछा, 'आपको कब लगा कि आप और वरुण अच्छे दोस्त बन गए हैं?' इसका जवाब देते हुए जान्हवी ने कहा, 'बवाल' के सेट पर मैं वरुण को देखकर इतना एक्साइटेट हो गई कि मैंने अपने हाथ में जो ग्लास पकड़ रखा था, वो हाथों से ही तोड़ दिया। वरुण मुझसे गले मिलने के लिए मेरी तरफ आ रहे थे, पर फिर वो उठर गए।'

'पेढ़ी' विवाद पर क्या बोलीं जान्हवी?

'पेढ़ी' की रिलीज के बाद जान्हवी के सोन्स पर हुए बवाल पर एक्ट्रेस ने कहा, 'उस वक्त मैंने काफी कुछ सुना। कुछ समझ नहीं आ रहा था कि इस पर कुछ बोलूं भी या रहने दूं। मैं किसी पर

ब्लेम नहीं कर रही, पर मैंने डायरेक्टर पर पुरा भरोसा किया। वहां रिफ्ट नहीं होती। इस विवाद के बाद मैंने तय किया कि मैं आगे से इस बात पर और ज्यादा ध्यान दूंगी कि मैं किस एंगल से शूट की जा रही हूं। साउथ में शूटिंग पर बात करते हुए जान्हवी ने कहा, 'साउथ में कहीं नहीं लिखा होता कि कौनसा सीन किस एंगल में शूट किया जाएगा। मैं कोई विविटम साउंड नहीं करना चाहती, पर यह सब शूट करते हुए मुझे सेट पर तकलीफ हुई थी। बहरहाल मैं बहुत खुश हूं कि लोगों ने इसका विरोध जताया और अब कम से कम कोई और लीड एक्ट्रेस इस तरह के विवादों का शिकार नहीं बनेगी।'

निमृत कौर अहलूवालिया नए प्रोजेक्ट के लिए उत्साहित, गुजरात में शुरू करेंगी शूटिंग

एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया इन दिनों अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में हैं। वह इसकी शूटिंग के लिए गुजरात पहुंच चुकी हैं। निमृत इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी उत्साहित हैं, क्योंकि इसके जरिए उन्हें एक नए किरदार को निभाने और ऐसे जॉनर में काम करने का मौका मिलेगा, जिसमें उन्होंने पहले कभी हाथ नहीं आजमाया है। एक्ट्रेस का कहना है कि वह अपने काम के जरिए खुद को चुनौती देना चाहती हैं और एक्टिंग के नए पहलुओं को एक्सप्लोर करने के लिए हमेशा तैयार रहती हैं। अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर निमृत ने कहा, "मैं इस नए प्रोजेक्ट को शुरू करने के लिए काफी उत्साहित हूं। इसके जरिए मुझे एक बिल्कुल नए किरदार को निभाने और ऐसे

जॉनर में काम करने का मौका मिल रहा है, जिसे मैंने पहले एक्सप्लोर नहीं किया है। एक एक्टर के तौर पर मैं हमेशा खुद को चुनौती देना चाहती हूं, अपनी सीमाओं से आगे बढ़ना हूँ और अपनी एक्टिंग के नए पहलुओं को जानना चाहती हूँ।" उन्होंने आगे कहा, "हर प्रोजेक्ट आपको कुछ नया सिखाता है। मैं इस नए सफर को लेकर उत्साहित हूँ और अपने किरदार को पढ़ें पर जीवंत करने का इंतजार कर रही हूँ। फिलहाल मैं इस प्रोजेक्ट के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकती, लेकिन मैं चाहती हूँ कि दर्शक जल्द ही देखें कि हम क्या लेकर आ रहे हैं।"

सूत्रों के मुताबिक, निमृत अपने नए प्रोजेक्ट

की शूटिंग शुरू करने के लिए गुजरात पहुंची है। हालांकि, इस प्रोजेक्ट की कहानी, किरदार और बाकी डिटेल्स को फिलहाल सीक्रेट रखा गया है। एक्ट्रेस की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट के बाद से ही उनके नए प्रोजेक्ट को लेकर फैस के बीच उत्सुकता बढ़ गई है। सभी को इसकी आधिकारिक घोषणा का इंतजार है। निमृत के करीबी एक सूत्र ने बताया, "निमृत अपने अगले प्रोजेक्ट को लेकर काफी फोकस्ड हैं। वह लगातार वर्कशॉप के साथ-साथ अपने किरदारों की तैयारी में भी जुटी हुई थीं। फिलहाल प्रोजेक्ट से जुड़ी जानकारियां सामने नहीं आई हैं। सही समय आने पर इसकी घोषणा की जाएगी।"